नवरात्रि पूर्णाहुति का नियम (पूनम का)

1. आज नवरात्रि की अंतिम बैठक है।
2. आज आपकी समस्त पूजन एवं संकल्प की पूर्णाहुति माताजी के श्री चरणों में की जाएगी।
3. आज आप अपने द्वारा नवरात्रि में किए गए समस्त संकल्पों को श्रद्धापूर्वक मन से दोहराकर वो सभी संकल्प

   "जल्दी पूर्ण करो, हे माताजी "

   ऐसा निवेदन करते हुए 27 बार

   मंत्र " ऊँ नमों सिद्धेभ्यः " पढ़ना हैं।
4. आज आपको जो श्रीफल दे रहे है, इसको माताजी का स्वरूप एवं माताजी का आशीर्वाद मानकर कल पूनम के दिन त्रिकाल संध्या में, अपने पूजा स्थान में स्थापित कर दें या बांध दें।
5. यह अगली नवरात्रि तक रखना है।
6. इसकी प्रत्येक शुक्रवार या 9 दिन में एक बार इसी मंत्र को पढ़कर पूजा करना है। प्रतिदिन भी कर सकते है।
7. पहले वाला श्रीफल इसकी स्थापना के बाद ही हटाना है।
8. हटाने के बाद किसी मंदिर में चढ़ा सकते है या बहते पानी में भी डाल सकते है।
9. संपूर्ण प्रोसेस पूर्ण श्रद्धा से करना है।